







देश की राजनीति की दिशा जो राजनीतिक दल तय करता है, वह बाकी दलों से आगे रहता है। बाकी दलों को वही करना पड़ता है जो सरकार ने किया है। इसलिए राजनीतिक दलों के बीच देश की राजनीति की दिशा तय करने के लिए होड़ लगी रहती है, सभी राजनीतिक राज्य हो या केंद्र हो राजनीति की दिशा तय करने के लिए कुछ न कुछ करते रहते हैं। बिहार सरकार ने राज्य व देश की राजनीति की दिशा तय करने के लिए पहले जाति गणना कराई और उसके बाद आरक्षण 65 प्रतिशत कर दिया, उसके बाद बिहार से लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग के लिए आंदोलन करने की बात कही है। नीतीश कुमार को केंद्र का राजनीति में अपनी पहचान बनानी है इसलिए उन्होंने जाति गणना का वादा पूरा किया और बाकी राजनीतिक दलों व केंद्र सरकार के लिए चुनौती पेश की है। अब तक किसी ने ऐसा नहीं किया है। इसलिए नीतीश कुमार जाति गणना को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने वाले पहले नेता बने हुए हैं। राहुल गांधी भी उसी रास्ते पर चल रहे हैं जो रास्ता नीतीश कुमार ने विपक्ष के लिए तय कर दिया है। राष्ट्रीय राजनीति में अपनी पहचान के लिए राहुल गांधी विधानसभा चुनाव में जाति गणना के मुद्दे को जोर से उठाया है। उन्होंने कई राज्यों में वादा किया है कि उनकी सरकार बनी तो राज्य में जाति गणना कराई जाएगी। तमिलनाडु के सीएम स्टालिन व अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान के लिए पिछड़ों की राजनीति की कमान संभालने का संकेत दिया है। स्टालिन व अखिलेश यादव ने चेन्नई के प्रेसीडेंसी कालेज में वीपी सिंह की मूर्ति का अनावरण कर वीपी सिंह को पिछड़ों के हीरो के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। विपक्ष के

सपादकोय

# सबसे अहम है राजनीति की दिशा तय करना

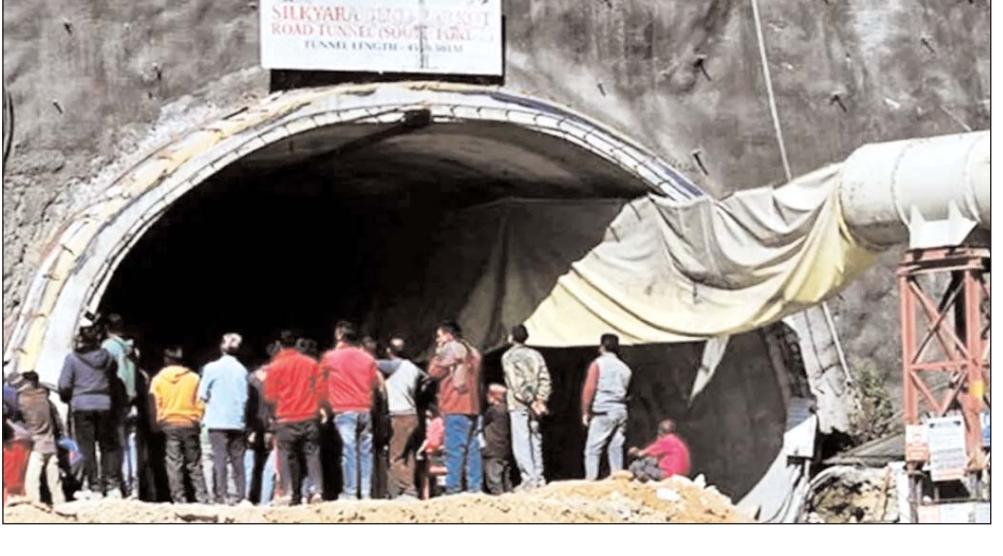
भपन पत्त नहा खाल ह। लोकन अन्य घाणणाए पर  
माजा के वोटबैंक को सहेजने का काम तो कर ही  
हो है। मोदी कैबिनेट की बैठक में हाल ही यह फैसला  
केया गया है कि अगले पांच गरीबों को मुफ्त राशन

दिया जाएगा। यह मोदी का मास्टर स्ट्रोक है। राहुल गांधी व कांग्रेस की शुरू से कोशिश रही है कि मोदी सरकार को गरीब विरोधी सरकार साबित किया जाए। इसके लिए राहुल गांधी पूरे पांच साल सूट बूट की सरकार, अमीरों का पैसा माफ करने वाली सरकार, मोदी को अडानी का मित्र कहकर प्रयास किया है। कांग्रेस खुद को गरीबों की सरकार, गरीबों को पैसा देने वाली सरकार, गरीबों की मदद करने वाली सरकार साबित करने का प्रयास करती रही है। मोटे तौर पर देखा जाए तो पीएम मोदी ही राजनीति की दिशा तय करते हैं। उनकी गरीबों के रक्षक की छवि टनल से मजहबों के बाहर आ जाने से और निखरी है। वह देश के लोगों की रक्षा में हमेशा तत्पर सरकार की छवि बनाने में सफल हैं। चाहे विदेशों के भारतीयों को लाना हो या देश में कहीं संकट हो तो संकट का सामना करने में सरकार सफल रही है। इससे पीएम मोदी की छवि गरीबों के मसीहा का बनी है। जिस राजनीतिक दल को भी मोदी को टक्कर देनी हो तो उसे भी खुद को गरीबों के मसीहा के रूप में पेश करना होगा। राहुल गांधी व कांग्रेस राज्यों में कांग्रेस को तो गरीबों की पार्टी के रूप में स्थापित करने का पूरा प्रयास कर रही है। इसके लिए लोकलुभावन योजनाओं के जरिए कांग्रेस ने राज्यों में अपना बोट बैंक भी बनाया है। कांग्रेस के पास ऐसा कोई नेता नहीं है जिसकी छवि मोदी से बेहतर हो। राष्ट्रीय स्तर पर मोदी ने गरीबों के लिए घर, राशन, बिजली, शौचालय, पानी, इलाज आदि की जो व्यवस्था की है। उसका राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस कोई जवाब पेश नहीं कर सकी है। सिर्फ़ मोदी को गरीब विरोधी बताने का प्रयास करती है। यह प्रयास मोदी के हराने के लिए काफ़ी नहीं है।

# सिल्क्यारा सुरंग दुर्घटना के सबक

विशेषण  
अजीत द्विवेदी

यान एह चिला स  
लेकर चीन और  
मनोरिका से लेकर  
थाईलैंड तक इस  
तरह की दुर्घटनाएं  
हैं और कई जगह  
से हुए मजदूरों को  
कालने में गहीनों  
लगे हैं। चिली में



लगे हैं। चिली में  
2010 में एक  
अमेरिकी कॉपर  
कंपनी की खदान में  
33 मजदूर फँसे थे  
और उन्हें सुरक्षित  
निकालने में 69 दिन  
का समय लगा था।  
सबसे ताजा मामला  
थाईलैंड का है, जहां  
2018 में एसोसिएशन  
फुटबॉल टीम के 12  
बच्चे और उनके कोच  
एक सुरंग में फँस  
गए थे।

४०

३८

# तुम किस मिट्टी के बने हो

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उत्तरपंथ

एक पत्रकार ने बोडकर यूट्यूब चैनल शुरू किया। तब एक यूजर ने यह पहले की तरह किसी भी खरीद लिया तो कहाँ जाए? पहले दिन उस पत्रकार ने पूछा लगाकर काम किया। तब यूजर ने फिर से पूछा, आज कितनी खबरें दिखाईं? पत्रकार ने कहा कि मैंने ऐसी किसी खबर नहीं दी।



करेन वाल हर भाकन  
 वाले पत्रकार दस से पंद्रह खबर  
 तो छींक मारकर दिखा देते हैं।  
 अच्छा ये बताओं तुमने कौनसी  
 खबर दिखाइ?  
 एक खबर में सबकी क़बर।  
 पत्रकार बोला। क्या! लेकिन  
 तमने यह कैसे किया?

पत्रकार ने कहा, एक यूजर  
ने कमेंट बॉक्स में लिख दिया

न कमट बक्स म लख डाला  
कि दम है तो अपनी खबर से मुझे  
कबर तक पहुँचाओ। मैंने सबसे  
पहले दो हजार रुपए की नोट ली।  
उसे ऊपर से नीचे की ओर फेंक  
दिया। मैंने कहा इसे कहते हैं रुपए  
का गिरना। वह काफी प्रभावित  
हुआ। फिर मैंने कहा कि इसे मैं  
कहीं से भी ढूँढ़ सकता हूँ। मैंने  
अपने फोन में वाईफाई आन कर  
दो हजार के नोट में छिपे चिप से  
लिक किया। गूगल मैप की तर्ज  
पर मुझे दो हजार रुपए का पता  
मिल गया। यूजर का होस्ट उड़ता  
जा रहा था। मैं यहीं तक नहीं

रुका। फिर मैंने कहा कि यह नोट गुलाबी है। गुलाबी रंग से प्यार बढ़ता है। इसलिए इस नोट को अपने जेब में संभाले रखना। प्रेम खर्च करने से जीवन में शांति के साथ-साथ बच्ची-खुची खुशी भी चली जाएगी। इतना कहते ही यूजर ने अपना पर्स टटोला। उसमें रखी दो हजार की नोट गायब थी। मैंने उसे ढांग्स बंधाते

हुए कहा कि इसमें रोने  
जैसी कोई बात नहीं है।  
एक बार अपने फोन  
का मैसेज इनबॉक्स  
देख लो। उसमें संदेश  
आया होगा कि फलां  
केर फंड में दो हजार  
जमा करने के लिए  
आपका बहुत बहुत धन्यवाद।  
आपकी देशभक्ति वेरिफाइड हो

चुकी है। यह पढ़कर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने साथ-साथ एक लाख फॉलोवर्स को मेरे यूट्यूब चैनल पर सब्सक्राइब करवाकर मेरा गुणगान कर रहा है। पहले यूजर ने कहा, वाह यह तो बड़े कमाल की बात है। लेकिन मुझे यह समझ नहीं आता कि बीस-पच्चीस ऐसे भी यूजर हैं जो बार-बार तुम्हारी हाप्रेजेंटेशन पर तारीफों के पहल बाँधते नजर आते

हैं। वैसे ये हैं कौन? तब पत्रकार ने कहा, ये बड़े-बड़े झूर्ज चैनलों के एंकर हैं, जो मेरा मसाला चुगाकर अपने चैनलों पर लड़ने-झगड़ने की तड़कदार-भड़कदार रेसिपी बनाते हैं। अंदर की बात यह है कि बेकूफ बनने वाले भी बेकूफ बनाने का मसाला यहीं से ले जाते हैं। कुछ लोग मुझसे सवाल-जवाब तलब करते हुए इसी का प्रदर्शन करते हैं।

पहले पंजाब के किसी ग  
द्वालाज कराने पी जी अ  
बेटा मुझे इसी जगह पर  
तक मुड़ कर नहीं आ  
देखकर लोगों को यह  
उसका बेटा अपने बु  
तीमारदारी से ऊब कर  
बहाने लाकर यहां छोड़  
उस बुजुर्ग को वापस उ  
तो वह राजी नहीं हुआ।  
वी मुझसे दुखी होकर म  
दुखी करने के लिये  
आखिरकार कुछ समाज  
अनाथालय में शरण ले  
वटना देखकर यह अह  
मानवीय संवेदनाओं ने  
परन्तु यह एहसास क  
संवेदनाओं के दरकने व  
संभ्रांत परिवारों यहां तक  
के परिवार में भी जा पह  
तीन वर्ष पूर्व महार  
एक बुद्ध महिला अपने

हों। परन्तु अधिकांश मामलों में यही देखा गया है कि बच्चों व उनके परिवार का स्वार्थपूर्ण रखैया और मां बाप के प्रति उनकी बेरुख़ी ही मां बाप जैसे पवित्र व मज़बूत रिश्तों में भी दरार पैदा कर देती है। रेमंड ग्रुप के चेयरमैन पद्मभूषण विजयपति सिंघानिया को देश दुनिया में आखिर कौन नहीं जानता। 37 मर्जिला जेके हाउस, प्राइवेट जेट, अंतरालीय स्तर के हॉट बैलून फ्लाइंग विशेषज्ञ, हजारों करोड़ की संपत्ति, देश के नामी ग्रामी उद्योग पतियों की सूची में नाम, इज्जत-मान-सम्मान क्या नहीं था विजयपति सिंघानिया के पास। विजयपति सिंघानिया ने अपने बेटे गौतम सिंघानिया को लगभग 12000 करोड़ रुपये का व्यवसायिक साम्राज्य सौंप संस्कार किया। स अनियमितताये क्या १०० नहीं परन्तु सहाराशी व एक कायल था। 20 दोनों बेटों सीमांतों ३५ स्थित सहारा शहर में की यह शादी देश कर्त्तव्य चर्चित हुई थी। तल्ली वाजपेयी, उप प्रधानमंत्री लेकर सोनिया गांधी, अमर सिंह, राजनाथ प्रसाद यादव, प्रमोद सुरेश कलमाड़ी जैसे

दिया था। रमेश सामाजिक परकब्जा होते ही गौतम सिंघानिया ने अपने मां बाप की तरफ से आँखें फेर लीं। इन्हीं बड़ी शखिसयत के मालिक पिता को उसी के आलिशान घर से बेटे गौतम ने बाहर निकाल दिया। कंपनी के सारे अधिकार पिता के हाथों से छीन लिए। और उन्हें दर दर भटकने के लिये छोड़ दिया। खबर है कि अब यह बुजुर्ग दंपति किसी किराये के मकान में अपना वक्रत गुजार रहा है। इसी तरह पिछले दिनों सहारा गुप्त के संस्थापक व स्वामी सुब्रत राय 'सहारा श्री' का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। देश के मीडिया में जितनी चर्चा उनके देहांत की हुई उतनी ही चर्चा इस बात की भी रही कि सहारा श्री के अंतिम संस्कार में न तो उनकी पती शामिल हुई न ही उनके टोनों लेटे। बल्कि

परन्तु इसी शादी का सबसे बड़ा मानवीय पक्ष यह था कि अपने पुत्रों के इसी भव्य विवाह समारोह के साथ ही सहारा इण्डिया परिवार ने समाजोपयोगी कार्यक्रम के तहत एक 'सामूहिक विवाह समारोह' का भव्य आयोजन लखनऊ के इसी सहारा शहर में किया। इसमें समाज के ग्रीष्म तबके की 101 कन्याओं का विवाह कराया गया। एक ही जगह एक साथ हिन्दू मुस्लिम, सिख व ईसाई धर्म से जुड़े लोगों का विवाह। उनके धार्मिक रीत रिवाजों के अनुसार सम्पन्न कराकर सामाजिक सद्व्यव व गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की गयी। इस खबर ने पूरे देश के लोगों में सहारा श्री के प्रति स्वेच्छा व सम्मान का भाव पैदा किया। और सहारा श्री को सम्मान की नज़रों से देखने वाला वही वर्ग आज इस बात को लेकर चिंतित भी न नज़र आया कि जिसने अपने बेटे की शादी में न केवल भव्यता में कीर्तिमान बनाया बल्कि साथ ही 101 ग्रीष्म जोड़ों की भी शादी कराकर हज़ारों लाखों लोगों के दिलों की दुआयें भी लीं, वही महान व्यक्ति आखिर किन परिस्थितियों में अपने जीवन के अंतिम समय में अपने उन्हीं बेटों और जीवन संगिनी पती तक को न देख सका?

शायद समाज में मरती संवेदनाओं की इसी नब्ज को पहचानते हांग अब इसे लतामायिक रूप देने के भी

ही उनके दाना बटा बाल्क  
ने मुखाग्नि देकर उनका अंतिम  
पारा श्री की व्यावसायिक  
क्या नहीं इससे मेरा सरोकार  
मानवीयता पूर्ण चरित्र का ह्र  
में सहारा श्री ने जब अपने  
सुशांतों की शादी लखनऊ  
नी थी उस समय 500 करोड़  
सबसे महीण शादी के रूप में  
लीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी  
वारी लाल कृष्ण आडवाणी से  
द पवार, मुलायम सिंह यादव,  
ह, पूर्व पीएम चंद्रशेखर, लालू  
जग्जन, मायावती, शिवू सोरेन,  
उज्जनीति के अनेक दिग्गज व

का पहचानत हुए अब इस व्यवसायक रूप दन के भा  
प्रयास शुरू ही गए हैं। अब कुछ कंपनियां अंतिम  
संस्कार का व्यवसाय करने जा रही हैं। हमारे देश के  
मानवीय मूल्यों को शर्मसार करने वाली ऐसी ही एक  
कंपनी का सदस्यता शुल्क रु. 37500/- है। इन पैसों  
में पुजारी, नाई, कस्ता देने वाले, साथ चलने वाले,  
राम के नाम पर सत्य बोलने वाले, सब शामिल होंगे,  
ऐसी ही एक एक नई स्टार्टअप कंपनी ने 50 लाख  
रुपये का मुनाफ़ कमा भी लिया है। संचालकों को  
उम्मीद है कि भविष्य में उनकी कंपनी 2000 करोड़  
रुपये तक के कारोबार तक पहुंच सकती है। क्योंकि  
कंपनी संचालकों को भी मालूम है कि हमारे देश में  
किसी के पास रिश्ते निभाने का समय नहीं है। क्योंकि  
अब रिश्ते भी दम तोड़ रहे हैं और मानवीय संवेदनायें  
भी मरती जा रही हैं।





जेबी स्कूल में तीन दिवसीय विज्ञान, कला एवं आयुर्वेद प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

# कला और विज्ञान में प्रतिभाशाली बच्चों ने दिखाए अपने हुनर

■ तरण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा, 1 दिसम्बर। युवा शिक्षार्थियों के लिए, विज्ञान उनकी ऐरेजमें की दुनिया का एक विस्तार मात्र ही नहीं है। हमें छोटे बच्चों को खेल के माध्यम से आधारित करना, खोज करना और अन्वेषण करना सिखाने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि वे इसे स्वाभाविक रूप से करते हैं। जेबी स्कूल में तीन दिवसीय विज्ञान, कला एवं आयुर्वेद प्रदर्शनी आयोजित की गई जिसमें प्रतिभाशाली बच्चों के नन्हे कदमों को विज्ञान, कला एवं आयुर्वेद के लिए एक दिलचस्प अनुष्ठान दुनिया की ओर बढ़ावा देखा गया। यह प्रदर्शनी पंचतत्वों वाली, अग्नि, पृथ्वी, जल और आकाश पर आधारित थी जिसमें छात्रों ने अपनी अद्भुत कलात्मक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया।

समाज सेवा ड्रू राम गिलानी, राम पंजवानी, अनील अग्रवाल, ओम अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, सरिता चंदानी, मीरा अग्रवाल, नोडल प्राचार्य आर.के चंदानी, डॉ भोजराज मोहनानी, एस्क्स्ट्राइल इंजीनियर गजेन्द्र भाराजार, तिल्दा राम प्रसाद मुकेश शर्मा, जे बी सोसाइटी के चेयरमैन उमेश अग्रवाल, श्रीकांत अग्रवाल, प्राचार्य ममता ऐरी, प्रमोदा परीदा ने दीप प्रज्ञलन कर पालकों के साथ भव्य वार्षिक तकनीकी उत्सव का उद्घाटन किया।

अपने शिक्षकों के मानवरूपन में कक्षा ड्रू से झँझूँह तक के लगभग सभी छात्रों ने विज्ञान, गणित, वाणिज्य, कला, शिल्प और आयुर्वेद के विभिन्न विषयों पर आधारित अपने अभिनव परियोजनाओं और मॉडलों का शानदार प्रदर्शन किया। हाइड्रो इलेक्ट्रोस्ट्रीटी प्लाट, पफर फॉटोट्रिंग रेबोट, स्मार्ट इरेशन सिस्टम, हीमोडायलिसिस सिस्टम, फलट प्रिवेशन सिस्टम, लाइन फेलोइंग रेबोट, डिवाइस सिक्युरिटी, एस्ट्रीट लाइट, इमरजेंसी ब्रेकिंग सिस्टम आदि 100 से अधिक एडवांस्ड विज्ञान मॉडल प्रदर्शित किए गए। छात्रों के न केवल किताबी विज्ञान, कला एवं आयुर्वेद के प्रदर्शन की ओर बढ़ावा देखा गया। यह प्रदर्शनी पंचतत्वों वाली, अग्नि, पृथ्वी, जल और आकाश पर आधारित थी जिसमें छात्रों ने अपनी अद्भुत कलात्मक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया। जिन्हें देखकर अतिथियों ने छात्रों के अंकर विज्ञान की प्रशंसा की।

आयुर्वेद प्रदर्शनी: व्यापक हम अपने आंतरिक शरीर को साफ़ नहीं कर सकते.. हमें अपने ऊतक, औंगे और दिमाग को साफ़ करने के लिए कुछ कालात्मक पैसेंजरों से बच्चों के प्रदर्शन की ओर बढ़ावा देखा गया। यह प्रदर्शनी के माध्यम से आश्वासन देता है। सभी पालक एवं अतिथियों ने छात्रों के अंकर प्रयोग करने के लिए आयुर्वेद उत्सव का उद्घाटन किया।



कलाओं का भी प्रदर्शन किया।

छत्तीसगढ़ की पारंपरिक आकर्षक छांकी एवं कृषि का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र था। छत्तीसगढ़ के व्यजन, वाद्यायंत्र, वेशभाषा, छत्तीसगढ़ का मानचित्र, पारंपरिक ल्योहारे, गोबर मिठी से बनी विज्ञानियों का प्रदर्शन किया गया। छोटे बच्चों ने कलात्मक पैसेंजरों, सजावटी सामान, स्प्रिकल आर्ट, सब्जियों से बनी विविध कला का प्रदर्शन किया। प्री प्राइमरी रिसोर्स सेंटर सभी आंगनकुकों के लिए आकर्षण का केंद्र था जिसमें 50 से ज्यादा शैक्षणिक सामग्री के माध्यम से बच्चों को खेल खेल में अश्व एवं गणित के साथ व्यवहारिक ज्ञान दिया जाता है। करके सीधों में आश्वासन देता है। बच्चों ने बच्चों के ध्यान में रखते हुए जे. बी. इंटर्नेशनल स्कूल के छात्रों ने बड़े उत्सव के साथ आयुर्वेद उत्सव मनाया। छोटे बच्चों ने कलात्मक पैसेंजरों, सजावटी सामान, स्प्रिकल आर्ट, सब्जियों से बनी विविध कला का प्रदर्शन किया। प्री प्राइमरी रिसोर्स सेंटर सभी आंगनकुकों के लिए आकर्षण का केंद्र था जिसमें 50 से ज्यादा शैक्षणिक सामग्री के माध्यम से बच्चों को खेल खेल में अश्व एवं गणित के साथ व्यवहारिक ज्ञान दिया जाता है।

स्वास्थ्य के विभिन्न पहलू भी शामिल हैं। आयुर्वेद एक समग्र परेपरा और जीवन जीने का अंतरिक्ष का लक्षण ज्ञानी की तरीका है जो हमें से प्रत्येक को कल्याण के लिए अपनी क्षमता का जश्न मनाने में मदद कर सकता है। इस विचार को ध्यान में रखते हुए जे. बी. इंटर्नेशनल स्कूल के छात्रों ने बाहर के माध्यम से आश्वासन करना, खोज करना और अन्वेषण करना सिखाने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि वे इसे स्वाभाविक रूप से करते हैं।

सहेत के प्रति जागरूक रखने की अनुठी एवं आवश्यक पहलू की गई है। युवा शिक्षार्थियों के लिए, विज्ञान उनकी रोजमरा की दुनिया का एक विस्तार मात्र ही नहीं है। हमें छोटे बच्चों को खेल के माध्यम से आश्वासन करना, खोज करना और अन्वेषण करना सिखाने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि वे इसे स्वाभाविक रूप से करते हैं। जे. बी. इंटर्नेशनल स्कूल के छात्रों ने बड़े उत्सव के साथ आयुर्वेद उत्सव मनाया। छोटे ने आयुर्वेद पर आधारित विज्ञान जीवन जीने का लक्षण ज्ञानी की तरीका है जो हमें से प्रत्येक को कल्याण के लिए अपनी क्षमता का जश्न मनाने में मदद कर सकता है। इस विचार को ध्यान में रखते हुए हर जे. बी. इंटर्नेशनल स्कूल के छात्रों ने बाहर के माध्यम से आश्वासन करना, खोज करना और अन्वेषण करना सिखाने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि वे इसे स्वाभाविक रूप से करते हैं।

गणित, वाणिज्य, कला, शिल्प और आयुर्वेद के विभिन्न विषयों पर आधारित अपने अभिनव परियोजनाओं और मॉडलों का शानदार प्रदर्शन किया। हाइड्रो इलेक्ट्रोस्ट्रीटी प्लाट, पफर प्रॉटोट्रिंग रेबोट, स्मार्ट इरेशन सिस्टम, हीमोडायलिसिस सिस्टम, फलट प्रिवेशन सिस्टम, लाइन फेलोइंग रेबोट, डिवाइप्रम, फिरांप्रिंट लॉक, सिस्टम, स्मार्ट ब्लॉक चेयर, जेबा क्रासिंग, रेन डिटेक्टर सिस्टम, ऑटोमैटिक स्ट्रीट लाइट, इमरजेंसी ब्रेकिंग सिस्टम आदि 100 से अधिक एडवांस्ड विज्ञान मॉडल प्रदर्शित किए गए थे। छात्रों के न केवल विद्यार्थी विद्या अपनु विभिन्न कलाओं के एकत्रित कर अपनी हस्त करना के लिए एवं आयुर्वेद प्रदर्शनी आयोजित की गई जिसमें बच्चों के नन्हे कदमों को विज्ञान, कला और अच्छी सहेत की एक दिलचस्प अनुष्ठान दुनिया की ओर बढ़ावा देखा गया। यह प्रदर्शनी पंचतत्वों वाली, अग्नि, पृथ्वी, जल और आकाश पर आधारित थी जिसमें छात्रों ने अपनी अद्भुत कलात्मक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया। जिन्हें देखकर अतिथियों ने छात्रों के अंकर प्रयोग करने के लिए आयुर्वेद उत्सव का उद्घाटन किया।

अपने शिक्षकों के मानवरूपन में कक्षा I से XII तक के लगभग सभी छात्रों ने विज्ञान, कला और आयुर्वेद के माध्यम से बच्चों को खेल खेल में अश्व एवं गणित के साथ व्यवहारिक ज्ञान दिया जाता है।

ज्ञान दिया जाता है। करके सीखो माध्यम से बच्चा जल्दी सीखने में रुचि लेता है और इस ज्ञान को जीवन परत करता है। सभी पालन पकड़ एवं अतिथियों ने छात्रों के अंथक प्रयास और प्रदर्शनी की प्रशंसा की। क्योंकि हम अपने आंतरिक शरीर को साफ़ नहीं कर सकते हैं। अपने ऊतकों, अंगों और दिमाग को साफ़ करने में मदद करने के लिए कुछ कौशल कौशल सीखने की ज़रूरत है। यही आयुर्वेद की कौशल सीखने की ज़रूरत है। यही आयुर्वेद की कौशल सीखने की ज़रूरत है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति नहीं है।

इसका दायरा व्यापक है और इसमें सार्वजनिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के विभिन्न पहलू भी शामिल हैं। आयुर्वेद एक समग्र परंपरा और जीवन जीने का तरीका है जो हममें से प्रत्येक को कल्याण के लिए अपनी क्षमता का जश्न मनाने में मदद कर सकता है। इस विचार को ध्यान में रखते हुए हर जे. बी. इंटर्नेशनल स्कूल के छात्रों ने बड़े उत्सव के साथ आयुर्वेद उत्सव मनाया। छात्रों ने आयुर्वेद पर आधारित विज्ञान की ज़रूरत नहीं है क्योंकि वे इसे स्वाभाविक रूप से करते हैं।

जीवन जीने का तरीका है जो हममें से प्रत्येक को कल्याण के लिए अपनी क्षमता का जश्न मनाने में मदद कर सकता है। इस विचार को ध्यान में रखते हुए हर जे. बी. इंटर्नेशनल स्कूल के छात्रों ने बड़े उत्सव के साथ आयुर्वेद उत्सव मनाया। छात्रों ने आयुर्वेद पर आधारित विज्ञान की ज़रूरत नहीं है क्योंकि वे इसे स्वाभाविक रूप से करते हैं।

## शादी का ज्ञांसा देकर भगाकर बलात्कार करने वाला गिरफ्तार

■ तरण छत्तीसगढ़ संवाददाता



मेरे साथ जो यायपुर भनपुरी में रहता है, ने बताया कि मेरी बेटी को एक लड़का भवानी निषाद भगाकर लाया है, कि जानकारी मिलने पर आप पास पता तलाश किया पता नहीं चला। कि तब 20 नवम्बर को शाम 07.00 बजे

मात्रा तब भगाकर लाया है। अपने बेटी को एक लड़का भवानी निषाद भगाकर लाया है।

मेरे साथ जो यायपुर भनपुरी में रहता है, ने बताया कि मेरी बेटी को एक लड़का भवानी निषाद भगाकर लाया है।

मेरे साथ जो यायपुर भनपुरी में रहता है, ने बताया कि मेरी बेटी को एक लड़का भवानी निषाद भगाकर लाया है।

मेरे साथ जो यायपुर भनपुरी में रह

